TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

01 जून

1. **विश्व दुग्ध दिवस–** पहली बार वर्ष 2001 में विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया था। पूरे विश्व में दूध और दुग्ध उद्योग से संबंधित क्रियाकलापों के प्रचार–प्रसार में हर वर्ष ध्यान केन्द्रित करने के लिए इसे मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के द्वारा 1 जून को विश्व स्तर पर हर वर्ष मनाने के लिए विश्व दुग्ध दिवस की स्थापना की गई थी। दूध को पौष्टिक आहार माना जाता है।

2. **अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस–** रूस में अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पहली बार सन् 1949 में मनाया गया था। इसका निर्णय मास्को के अंतर्राष्ट्रीय महिला लोकतांत्रिक संघ की एक विशेष बैठक में किया गया था। इसका उद्देश्य बच्चों के अधिकार की रक्षा करने की आवश्यकता की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना है। रूस में इस दिन अनाथ, दिव्यांग और गरीब बच्चों की समस्याओं की ओर विशेष रूप से ध्यानाकर्षित किया जाता है। 1 जून, 1950 ई. को दुनिया भर के 51 देशों में अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पहली बार मनाया गया था।
   - **संदर्भः वर्ग 8, नागरिक, 'सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन भाग–3,' अध्याय 2** से जोड़ें।

3. **अस्पृश्यता निरोधक कानून–** अस्पृश्यता (छुआछूत) के प्रयोग एवं उससे उत्पन्न संबंधित मामलों को दण्डित करने के उद्देश्य से 1955 में अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 बनाया गया था। यह अधिनियम 1 जून, 1955 से प्रभावी हुआ। लेकिन अप्रैल 1965 में गठित इलाया पेरूमल समिति की अनुशंसाओं के आधार पर 1976 में इसमें व्यापक संशोधन किये गये और इसका नाम बदलकर नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 कर दिया गया था। यह संशोधित अधिनियम 19 नवम्बर, 1976 ई. से प्रभावी हुआ।
   - **संदर्भः वर्ग 7– नागरिक, अध्याय 1 और अध्याय 11; वर्ग 8– नागरिक, अध्याय 1 से जोड़कर चर्चा करें।**

4. **ग्लोबल पैरेन्ट्स डे–** बच्चों के पालन–पोषण तथा विकास में माता–पिता का अहम् योगदान होता है। माता–पिता की जिम्मेवारी है कि अपने बच्चे को प्यार, सही पोषण, सुरक्षा और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करे। विश्व में पाँच वर्ष से कम आयु के करोड़ों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों की सही देखभाल और भी जरूरी हो जाती है। वर्ष 2012 में संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के बाद प्रतिवर्ष 1 जून को यह दिवस अभिभावकों को समर्पित होता है। इस दिन ग्लोबल पैरेंट्स डे मनाया जाता है।
   - **संदर्भः वर्ग 6– अंग्रेजी की पाठ्य पुस्तक 'रेडियन्स पार्ट–1' के अध्याय 1 और अध्याय 7 तथा वर्ग 5– अंग्रेजी की पाठ्य पुस्तक 'ब्लॉसम पार्ट–3' अध्याय 11** से जोड़कर चर्चा करें।

Saturday

/teachersofbihar

Madhu priya

जन्मदिन विशेष 01 जून

राकेश कुमार

कर्णम मल्लेश्वरी *Karnam Malleswari*, जन्म- 1 जून, 1975, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश) भारत की प्रसिद्ध भारोत्तोलक (वेटलिफ़्टर) हैं। वे ओलम्पिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला खिलाड़ी हैं। अपने मजबूत हौसले और दिलेर कारनामों से कर्णम मल्लेश्वरी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे की शान को चार चांद लगाया है। मंच कोई भी हो, लेकिन 'जीत हर कीमत पर' का इरादा रखने वाली इस वेटलिफ्टर की ज़िंदगी संघर्ष और कामयाबी के अदभुत कहानी रही है। 2000 में सिडनी में हुए ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ी कर्णम मल्लेश्वरी ने महिलाओं के 69 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच डाला। मल्लेश्वरी को 1995 में 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 1996 में उन्हें 'राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार' तथा 1997 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

मुंबई-अहमदाबाद **बुलेट ट्रेन** के लिए **भारतीय इंजीनियर्स** को जापानी हाई स्पीड **रेल ट्रैक स्लैब सिस्टम तकनीक** बनाने का तरीका सिखाया जा रहा है। 1000 **भारतीय तकनीशियनों** को 20 **जापानी विशेषज्ञों** द्वारा ट्रेनिंग दी जा रही है।

मधु प्रिया

ग्लोबल डे ऑफ पेरेंट्स 1 जून

हर वर्ष 01 जून को दुनियाभर में ग्लोबल डे ऑफ़ पेरेंट्स मनाया जाता है। माता-पिता हमारे जीवन में उच्च स्थान रखते है। वहीं एक बच्चे के जीवन में एक माता-पिता का होना जरूरी है क्योंकि माता-पिता बच्चे को एक नई उड़ान देते है। जितना महत्व बच्चे के जीवन में माता-पिता जरूरी है उतना ही महत्व माता-पिता को बच्चे की होती है। हमारे जीवन में माता-पिता का कितना महत्व है।इस दिवस हम सभी को अपने माता-पिता के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहिए। साथ ही पैरेंट्स द्वारा दिए गए बलिदानों के प्रति शुक्रिया कहा जाता है। इस दिन आप अपने माता-पिता के प्रति अपना प्यार प्रकट कर सकते हैं। यूएन जनरल असेंबली द्वारा 2012 में इसकी घोषणा की गई थी। समूचे विश्व में इस दिवस को मनाया जाता है। इस खास दिन के अवसर पर आप अपने माता पिता के प्रति सम्मान जताने और उनके द्वारा आपके लिए किए गए कार्यों के प्रति शुक्रगुजार का भाव व्यक्त करें। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक मुद्दों को प्राथमिकता से उठाया है।कोरोना काल में हमें अपने परिवार और माता-पिता की अहमियत को उजागर कर दिया था। कि हम कहीं भी रहे लेकिन मुस्किल समय में अपना परिवार और माता-पिता ही याद आते है। इसी लिए माता-पिता के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र महा सभा द्वारा हर वर्ष एक थीम जारी की जाती है।इस वर्ष की थीम- “दुनिया भर में अपने बच्चों के प्रति माता-पितावके संघर्षों और बलिदानों का समर्थन” है।

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 01.06.2024

प्रश्न कौशल

प्रश्न कौशल (Skill of Questioning)शिक्षण प्रक्रिया की शुरुआत आदि काल से ही प्रश्न उत्तर के रूप में शुरू हुई थी और आज भी जिज्ञासु छात्र प्रश्न पूछता है तथा शिक्षक उसका उत्तर देता है। शिक्षक छात्र अधिगम की जाँच हेतु अथवा पाठ्यवस्तु के विषय में जिज्ञासा उत्पन्न करने हेतु प्रश्न पूछता है।

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 405

अल्फा किरणों की खोज किसने की?

A. रिटर

B. गोडस्टीन

C. न्यूटन

D. रदरफोर्ड

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: D

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: जून

CHILD HELPLINE
1098

प्रथम शनिवार दिनांक **01.06.2024**	**अपने गांव के बच्चों के साथ गांव / टोले मोहल्ले का बाल सुरक्षा समिति के मदद से हजार्ड हंट**
द्वितीय शनिवार दिनांक **08.06.2024**	**अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं अगलगी से बचाव का अभ्यास**
तृतीय शनिवार दिनांक **15.06.2024**	**अवकाश के हजार्ड हंट एवं लू / गरम हवा, वज्रपात से बचाव का अभ्यास**
चतुर्थ शनिवार दिनांक **22.06.2024**	**अवकाश के दौरान अपने गांव के बच्चों के साथ गांव / टोले का हजार्ड हंट एवं आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण**

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

बास्केटबॉल

बास्केटबॉल का आविष्कार किसने किया?

बास्केटबॉल गेम उत्पत्ति अमेरिका के मैसाचुसेट्स के स्प्रिंगफील्ड में हुई। स्प्रिंगफील्ड में वाईएमसीए इंटरनेशनल ट्रेनिंग स्कूल में काम करने वाले एक कनाडाई शारीरिक प्रशिक्षक डॉ. जेम्स नाइस्मिथ (Dr James Naismith) ने 1891 में बास्केटबॉल के खेल को लोगों के सामने रखा।

दरअसल, उन्होंने कड़ाके की ठंड के महीनों के दौरान YMCA एथलीटों को फिट रखने के लिए इस इनडोर खेल को तैयार करने का निर्देश दिया था। इसके बाद नाइस्मिथ ने इस खेल को सामने रखा, जिसमें दो आड़ू (पीच) बास्केट और 13 नियमों के साथ एक फुटबॉल की गेंद शामिल थी।

बास्केटबॉल का पहला खेल नाइस्मिथ के नियमों के मुताबिक 9-9 खिलाड़ियों के बीच खेला गया था, लेकिन बीते वर्षों में इसके नियमों को बदल दिया गया और इसे और भी बेहतर करते हुए पेश किया गया, जिसे आज हम मॉडर्न-डे बास्केटबॉल के तौर पर जानते हैं। यही नहीं, बास्केटबॉल खेलने के फायदे भी इसे ख़ास बनाते हैं।

पिता आसमान और मां धरती जैसी होती है दोनो
के आशीष से ही हमारी दुनिया सुन्दर होती है।
ग्लोबल पैरेंट्स डे
पर समस्त माता पिता को हार्दिक
शुभकामनाएं।
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
1जून
Madhu priya
www.teacherofbihar.org

कवि, अनुभवी राजनेता एवं कुशल प्रशासक के रूप में छवि बनाने वाले भारत के छठे राष्ट्रपति

नीलम संजीव रेड्डी

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म- 19 मई 1913

मृत्यु - 1 जून 1996

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

विश्व दुग्ध दिवस
1 जून
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
"डांट कर दूध पिलाती है,टाफी दे कर मनाती हैं।
मा के जज्बातों को समझना,वो ऐसे ही प्यार लुटाती है"।
विश्व दुग्ध दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

जन्म: 1 जून 1975

भारत की महिला भारोत्तोलक (वेटलिफ़्टर) ओलम्पिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला खिलाड़ी

कर्णम मल्लेश्वरी

को उनके जन्मदिन पर अशेष शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

विश्व के सभी बच्चों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से मनाये जाने वाले

1 जून

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

01 जून 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

बाहरी स्वभाव केवल अंदरुनी
स्वभाव का बड़ा रूप है।

स्वामी विवेकानंद जी

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org